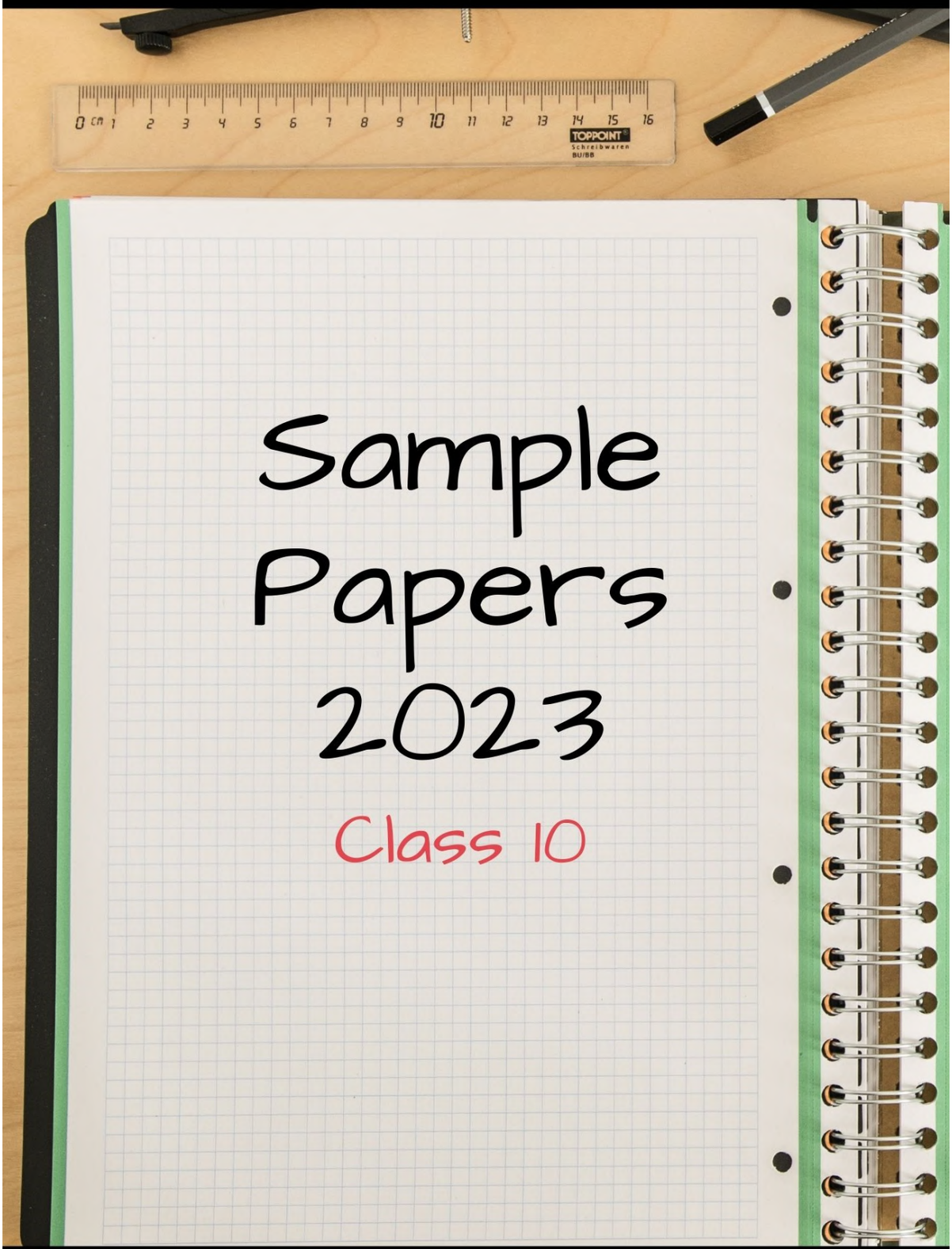
RAJASTHAN BOARD




# Sample Papers 2023

## Class 10

AGLASEM.COM

# प्रश्न–पत्र की योजना

कक्षा – 10
विषय –संस्कृत
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य | अंकभार | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | ज्ञान | 17 | 21.25% |
| 2. | अवबोध | 14 | 17.50% |
| 3. | अभिव्यक्ति | 35 | 43.75% |
| 4. | मौलिकता | 14 | 17.50% |
| योग | | 80 | 100% |

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

| क्र. सं. | प्रश्नानां प्रकाराः | प्रश्नानां संख्याः | प्रतिप्रश्नम् अंकाः | कुलांकाः % | प्रश्नानां प्रतिशतम् | सम्भावितः समयः |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वस्तुनिष्ठ–प्रश्नाः | 18 | 1 | 22.5 | 36% | 20 |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 12 | 1 | 15 | 24% | 25 |
| 3. | लघूत्तरात्मक–प्रश्नाः | 13 | 2 | 32.5 | 26% | 35 |
| 4. | दीर्घोत्तरीय–प्रश्नाः | 4 | 3 | 15 | 08% | 55 |
| 5. | निबंधात्मक–प्रश्नाः | 3 | 4 | 15 | 06% | 60 |
| | योगः | 50 | 11 | - | 100% | 195 |

3. विषय वस्तु का अंकभार –

| क्र.सं. | विषय वस्तु | अंकभार | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यपुस्तकात् गद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | 4 | 5 |
| 2 | पाठ्यपुस्तकात् पद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | 4 | 5 |
| 3 | पाठ्यपुस्तकात् नाट्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | 4 | 5 |
| 4 | पाठ्यपुस्तकात् पद्यांशस्य सूक्तवचनस्य वा संस्कृते भावार्थलेखनं | 2 | 2.50 |
| 5 | संस्कृतमाध्यमेन प्रश्नोत्तराणि – एकपदेन पूर्णपदेन च | 6 | 7.50 |
| 6 | अन्वय लेखनम् | 2 | 2.50 |
| 7 | प्रश्न निर्माणम् | 3 | 3.75 |
| 8 | एकस्य गद्यपाठस्य हिन्दी भाषायां सारलेखनम् | 2 | 2.50 |
| 9 | पाठप्रसंगानुसारं शब्दार्थचयनम् | 1 | 1.25 |
| 10 | पाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयं लेखनम् | 2 | 2.50 |
| 11 | अपठितावबोधनम् | 10 | 12.5 |
| 12 | अनुप्रयुक्त व्याकरणम् | 25 | 31.25 |
| 13 | संकेताधारितम् औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्र लेखनम् | 4 | 5 |
| 14 | चित्राधारितं वर्णनम् अथवा संकेताधारितं वार्तालापलेखनम् | 4 | 5 |
| 15 | अनुवादकार्यम् | 4 | 5 |
| 16 | घटनाक्रमस्य संयोजनम् अथवा वाक्यनिर्माणम् | 3 | 3.75 |

# प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा –10 विषय :–संस्कृत पूर्णांक –80

| क्र. सं. | उद्देश्य इकाई / उप इकाई | ज्ञान | | | | | अवबोध | | | | | ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति | | | | | कौशल / मौलिकता | | | | | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घउत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घउत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घउत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घउत्तरीय | निबन्धात्मक | |
| 1 | पाठ्यपुस्तकात् गद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | | | | | | | | | | 4(1) | | | | | | | | | | | 4(1) |
| 2 | पाठ्यपुस्तकात् पद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | | | | | | | | | | 4(1) | | | | | | | | | | | 4(1) |
| 3 | पाठ्यपुस्तकात् नाट्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगंम् अनुवादः | | | | | | | | | | 4(1) | | | | | | | | | | | 4(1) |
| 4 | पाठ्यपुस्तकात् पद्यांशस्य सूक्तवचनस्य वा संस्कृते भावार्थ लेखनम् | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | | | | | 2(1) |
| 5 | संस्कृतमाध्यमेन प्रश्नोत्तराणि – एकपदेन पूर्णपदेन च | 2(4) | 4(4) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 6(8) |
| 6 | अन्वय लेखनम् | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | | | | | 2(1) |
| 7 | प्रश्न निर्माणम् | | | | | | | | | | | | 3(3) | | | | | | | | | 3(3) |
| 8 | एकस्य गद्यपाठस्य हिन्दीभाषायां सारलेखनम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | 2(1) |
| 9 | पाठप्रसंगानुसारं शब्दार्थचयनम् | 1(2) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1(2) |
| 10 | पाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयं लेखनम् | | | | | | | | 2(1) | | | | | | | | | | | | | 2(1) |
| 11 | अपठितावबोधनम् | | | | | | | | | | | 4(8) | 4(4) | 2(1) | | | | | | | | 10(13) |
| 12 | अनुप्रयुक्त–व्याकरणम् | | 10(10) | | | | | | | | | | 15(15) | | | | | | | | | 25(25) |
| 13 | संकेताधारितम् औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्र लेखनम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4(1) | 4(1) |
| 14 | चित्राधारितं वर्णनम् अथवा संकेताधारितं वार्तालापलेखनम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4(1) | 4(1) |
| 15 | अनुवाद कार्यम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4(1) | 4(1) |
| 16 | घटनाक्रमस्य संयोजनम् अथवा वाक्यनिर्माणम् | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | | | | | | | 3(1) |
| | | 3(6) | 14(14) | - | - | - | - | - | 2(1) | - | 12(3) | 4(8) | 22(22) | 6(3) | 3(1) | - | - | - | 2(1) | - | 12(3) | |
| | **सर्वयोग** | 17(20) | | | | | 14(4) | | | | | 35(34) | | | | | 14(4) | | | | | 80(62) |

विकल्पों की योजना :– प्र.सं. 1,2,3,4,5,22,23,25 में एक आंतरिक विकल्प है नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

हस्ताक्षर

# माध्यमिक परीक्षा–2023

## मॉडल प्रश्न पत्र

**विषय – संस्कृत**

**कक्षा – 10**

**खण्ड–अ**

**समय– 3 घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक –80**

1. अधोलिखितस्य पठितगद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसगम् अनुवादं लिखत– 4

कश्चित् कृषकः बलीवर्दाभ्यां क्षेत्रकर्षणं कुर्वन्नासीत्। तयोः बलीवर्दयोः एकः शरीरेण दुर्बलः जवेन गन्तुमशक्तश्चासीत्। अतः कृषकः तं दुर्बलं वृषभं तोदनेन नुद्यमानः अवर्तत । स वृषभः हलमूढ्वा गन्तुमशक्तः क्षेत्रे पपात। क्रुद्धः कृषीवल : तमुत्थापयितुं बहुवारम् यत्नमकरोत्। तथापि वृषः नोत्थितः। भूमौ पतितं स्वपुत्रं दृष्ट्वा सर्वधेनूनां मातुः सुरभेः नेत्राभ्यामश्रूणि आविरासन् ।

अथवा

विचित्रा दैवगतिः । तस्यामेव रात्रौ तस्मिन् गृहे कश्चन् चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः । तत्र विहितामेकां मञ्जूषाम् आदाय पलायितः। चौरस्य पादध्वनिना प्रबृद्धोतिथि : चौरशङ्कया तमन्वधावत अग्रहणाच्च परं तदानीमेव किञ्चिद विचित्रमघटत। चौरः एव उच्चैः क्रोशितुमारभत "चौरोऽयं चौरोडयम्' इति। तस्य तारस्वरेण प्रबुद्धाः ग्रामवासिनः स्वगृहाद् निष्क्रम्य तत्रागच्छन् वराकमतिथिमेव च चौरं मत्वाऽभर्त्सयन् ।

2. अधोलिखित पठितपद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रङ्गम् अनुवादं लिखत – 4

हरिततरुणां ललितलतानां स्मणीया ।
कुसुमावलिः समीरचालिता स्थान्मे वरणीया ।।
नवमालिका रसाले मिलिता रुचिरं संगम्नम् । शुचि .....।।

अथवा

अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्।
अयोग्य : पुरुष : नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभ :।।

3. अधोलिखितस्य नाट्यांशस्य सप्रसङ्गं हिन्दीभाषया अनुवादं लिखत– 4

रामः – अहो माहाम्यम्।

कुश : –जानाम्यहं तस्य नामधेयम्।

रामः – कथ्यताम् ।

कुशः – निरनुक्रोशो नाम.....।

रामः – वयस्य, अपूर्वं खलु नामधेयम् ।

विदूषकः – ( विचिन्त्य) एवं तावत् पृच्छामि । निरनुक्रोश इति क एवं भणति ?

कुशः – अम्बा।

विदूषकः – किं कुपिता एवं भणति, उत प्रकृतिस्था ?

अथवा

सिंह :– तूष्णीं भव भो :। युवामपि मत्सदृशौ भक्षकौ न तु रक्षकौ एते। वन्यजीवा : भक्षकं रक्षकपदयोग्यं न मन्यन्ते अत एव विचार विमर्शः प्रचलति।

बकः–सर्वथा सम्यगुक्तम् सिंहमहोदयेन । वस्तुतः एव सिंहेन बहुकालपर्यन्तं शासनं कृतं परमधुना तु कोऽपि पक्षी एव राजेति निश्चेतव्यम् अत्र तु संशीतिलेशस्यापि अवकाशः एव नास्ति ।

सर्वे पक्षिण :– (उच्चैः) – आम् आम् – कश्चित् खग : एव वनराजः भविष्यति इति ।

4. अधोलिखितस्य पद्यांशस्य संस्कृते भावार्थ लिखत– 2

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ।।

अथवा

व्यायामं कुर्वतो नित्यं विरुद्धमपि भोजनम् ।
विदग्धमविदग्धं वा निर्दोषं परिपच्यते।।

5. (अ) अधोलिखितेषु सप्तसु चतुर्णां प्रश्नानाम् संस्कृते उत्तराणि एक पदेन लिखत– **½X4=2**

(i) भामिनी कया विमुक्ता?

(ii) परमम् आरोग्यम् कस्मात् उपजायते?

(iii) लवकुशयोः गरोः किं नाम आसीत्?

(iv) कीदृशः म्हावृक्ष : सेवितव्य : ?

(v) मालाकारेण निदाघे कस्य पुष्टिः व्यरचि ?

(vi) ज्वालामुखविस्फोटैः गगनं कीदृशं जायते ?

(vii) प्राणेभ्योऽपि किं रक्षेत् ?

(आ) अधोलिखितेषु सप्तसु चतुर्णां प्रश्नानाम् संस्कृते उत्तराणि पूर्ण वाक्येन लिखत– **1X4=4**

(i) कीदृशं कर्म व्यायामसंज्ञितम् कथ्यते ?

(ii) मातुः अधिका कृपा कस्मिन् भवति ?

(iii) वायस : कस्य गुणं न जानाति ?

(iv) काकचेष्टः विद्यार्थी कीदृशः छात्रः मन्यते ?

(v) कस्य पादध्वनिना अतिथिः प्रबुद्ध : जातः ?

(vi) तिरुशब्दः कस्य वाचक : अस्ति ?

(vii) चन्दनदास : कस्य गृहजनं स्वगृहे रक्षति स्म ?

6. अधोलिखितश्लोकस्य अन्वयं कुरुत– 2

न चैनं सहसाक्रम्य जरा समधिरोहति।
स्थिरीभवति मांसं च व्यायामाभिरतस्य च।।

7. अधोलिखितवाक्येषु रेखकितपदमाधृत्य प्रश्न निर्माणं कुरूत– 1+1+1=3

(i) **गात्राणां** सुविभक्तता व्यायामेन संभवति ।

(ii) सिंहासनस्थ : **रामः** प्रविशति ।

(iii) सर्वे **प्रकृतिमातरं** प्रणमन्ति ।

8. 'जननी तुल्यवत्सला' इति कथायाः सारः हिन्दीभाषायां लिखत। 2

9. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकूलम् उचितार्थं चित्वा लिखत– –½X2=1

(i) कुत्सितवस्तुमिश्रितं **भक्ष्यम्** ।

(क) अखाद्यम् (ख) खाद्यपदार्थं (7) पेयम् (घ) जलम्

(ii) **उदीरित** : अर्थ : पशुनापि गृह्यते ।

(क) कथितः (ख) अज्ञात : (ग) लिखित : (घ) पठितः

10. स्वपाठ्यपुस्तकात् प्रश्नपत्रमतिरिच्य द्वौ श्लोकौ लिखत। 1+1=2

**खण्ड–ब**

11. अधोलिखितम् अपठितगद्यांशं पठित्वा एतदाधारितप्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत 10

मानवस्य बौद्धिकविकासाय ज्ञानवर्धनाय च पुस्तकालयानां महत्त्वपूर्ण स्थानं वर्तते । पुस्तकालयेषु विविधपुस्तकानां संग्रहो भवति । अत्र विविधभाषाणां पत्र – पत्रिकादयः अपि प्रतिदिनम् आयान्ति। अस्माकं पुस्तकालय : नगरस्य रमणीये स्थाने वर्तते । अस्मिन् दशसहस्त्राणि पुस्तकानि सन्ति । अस्माकं पुस्तकालये हिन्दी – आंग्ल– संस्कृतभाषाणां पत्र–पत्रिका : प्रतिदिन आयान्ति । अस्य समीपे एक : वाचनालय : वर्तते । यत्र बहवः जनाः, छात्राः, युवतयश्च प्रतिदिनम् आगत्य स्वाध्यायं कुर्वन्ति। अस्माकं पुस्तकालयस्य भवनं विशालं रमणीयञ्च वर्तते । अस्य पुस्तकालयस्य सर्वे जनाः प्रशंसां कुर्वन्ति । अस्माकं ज्ञानवर्धनाय अस्य महती भूमिका वर्तते । अयम् एकः आदर्शः पुस्तकालय : विद्यते।

प्रश्नाः–

(i) एकपदेन उत्तरत – ½ X 4=2

(अ) पुस्तकालयेषु केषां संग्रहो भवति ?

(ब) कस्य समीपे वाचनालयः वर्तते ?

(स) अस्माकं पुस्तकालये कति पुस्तकानि सन्ति ?

(द) सर्वे जनाः पुस्तकालयस्य किं कुर्वन्ति ?

(ii) पूर्णवाक्येन उत्तरत – 1X3=3

(अ) किमर्थं पुस्तकालयानां महत्त्वपूर्णं स्थानं वर्तते ?

(ब) अस्माकं पुस्तकालयः कुत्र वर्तते ?

(स) पुस्तकालये के आगत्य स्वाध्यायं कुर्वन्ति ?

(iii) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षक लिखत । 1

(iv) उपर्युक्तगद्यांशस्य संक्षिप्तीकरणं कुरूत । 2

(v) निर्देशानुसार प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तर चित्वा लिखत– ½ X 4=2

(अ) 'पत्र–पत्रिकाः' इति कर्तृपदस्य गद्यांशे क्रियापदं किमस्ति ?

(क) सन्ति (ख) आयान्ति (ग) कुर्वन्ति (घ) वर्तते

(ब) ' आदर्शः' इति विशेषणस्य गद्यांशात् विशेष्यपदं चित्वा लिखत।

(क) विद्यालय : (ख) वाचनालय : (ग) भवनम् (घ) पुस्तकालय :

(स) 'अस्मिन्' इति सर्वनामपदस्थाने संज्ञापदं लिखत ।

(क) वाचनालये (ख) पुस्तके (ग) पुस्तकालये (घ) गृहे

(3) 'निन्दाम्' इत्यस्य विलोमपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत ।

(क) प्रशंसाम् (ख) विशालम् (ग) दुःखम् (घ) हर्षम्

(खण्ड–स)

12. अधोलिखितपदयो : सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धेः नामापि लिखत 1+1 =2

(i) पितुर्गृहम्

(ii) सञ्चरणम्

13. अधोलिखित पदयोः सन्धिं कृत्वा सन्धेः नामापि लिखत 1+1=2

(i) कः+अत्र

(ii) सत्यम् + वद

14. अधोलिखित रेखाकिंतपदेषु समस्तपदानां विग्रहम् अथवा विग्रहपदानां समासं कृत्वा समासस्य नामापि लिखत। 1+1+1=3

(i) शतशकटीयानम् **कज्जलमलिनं** धूमं मुञ्चति ।

(ii) आलस्यं हि मनुष्याणां **शरीरस्थो** महान् रिपुः ।

(iii) विमूढा धीः यस्य सः अपक्वं फलं भुङ्क्ते ।

15. अधोलिखित पदेषु रेखाङ्कितपदस्य विभक्तिं तत् कारणञ्च लिखत – 1+1+1+1=4

(i) तौ **न्यायाधिकरणं** प्रति प्रस्थितौ ।

(ii) **धेनूनां** माता सुरभिः आसीत् ।

(iii) अलम् **अतिविस्तरेण** ।

(iv) राम् : लवकुशौ आसनार्धम् उपवेशयति

16. कोष्ठके प्रदत्त प्रकृति–प्रत्ययाभ्यां पदं निर्माय वाक्यं पूरयत रेखाकिंतपदं पृथकं कृत्वा च लिखत। 1+1+1=3

(i) इदानीं चन्दनदासः..... इच्छामि। (दृश् + तुमुन् )

(ii) .....स्वर्गे वसति । (देव+तल)

(iii) गुरुं **सेवमानः** शिष्य : सुखं लभते ।

17. मञ्जूषायाः प्रदतैः अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा लिखत – 1+1+1=3

(अपि, एव, सहसा, खलु)

(i) एक ..... खगो मानी वने वसति चातकः ।

(ii) अशान्तानि .....तान्येव महाविनाशम् उपस्थापयन्ति ।

(iii) व्यायामेन असुन्दराः .....सुन्दरा : भवन्ति।

18. अधोलिखितपदयो : उपसर्गं शब्दं च पृथक् कृत्वा लिखत– 1+1=2

(i) निर्गुणम्

(ii) आगमनम्

19.कोष्ठकेषु दत्तेषु पदेषु यथानिर्दिष्टां विभक्तिं प्रमुज्य रिक्तस्थानानि पूरयत 1+1=2

(i) करुणापरो गृही ..... आश्रयं प्रायच्छत् । (तत् शब्दस्य पु. चतुर्थी )

(ii) ..... ग्रन्थः पठ्यते । ( अस्मद् शब्दे तृतीया)

20. कोष्ठकेषु दत्तेषु धातुषु निर्देशानुसारं परिवर्तनं विधाय रिक्तस्थानानि पूरयत – 1+1=2

(i) क्षणेनैव प्राणिनः गृहविहीना : .....। (भू+लङ्, प्रथम पुरुषः, बहुवचनम् )

(ii) जनैः व्यायामेन कान्तिः .....। (लभ्+लट्, प्रथम–पुरुषः, एकवचनम्)

21. अधोलिखितौ संख्यावाचिशब्दों संस्कृते लिखत। 1+1=2

(i) 117

(ii) 521

## खण्ड–द

22. भवान् राजकीय-आदर्श-उच्च-माध्यमिक-विद्यालय-कंचनपुरस्य दशम्याः कक्षायाः छात्रः राकेशः अस्ति। भवतः पिता अतीवः निर्धनः अस्ति। स्वस्यप्रधानाचार्याय शुल्कमुक्त्यर्थम् एकं प्रार्थनापत्रं लिखतु। 4

अथवा

भवान् दीपकः अस्ति । परीक्षापरिणामस्य विषये स्वपितरं प्रति लिखिते अस्मिन् पत्रे मञ्जूषायाः उचितपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयतु ।

(नमोनमः, प्रतिशतं, अधिकम्, नवनवतिः, चरणस्पर्शः, अहम्, भवान्, अभ्यासेन, परिणामः, दीपकः)

गाँधीविद्यामन्दिरतः
दौसा

पूज्य पितृमहोदय !
(i) .....
अतीव हर्षस्य विषयोऽस्ति यत् मम अर्द्धवार्षिक्या : परीक्षायाः (ii) ..... आगतः । अहं नवतिः (iii) .....अङ्कान् प्राप्तवान् । किन्तु इदं ज्ञात्वा (iv) ..... अपि चिन्तितः भविष्यति यत् गणितविषये (v) .....सुष्ठु अङ्कान् प्राप्तुं समर्थ : न अभवम् । अद्यतः अहम् (vi) ..... अभ्यासं करिष्यामि् । आशासे यत् (vii) ..... भवतः आशीर्वादेन च आगामि वार्षिकपरीक्षायाम् अपि (viii) .....प्रतिशतं अकांन प्राप्स्यामि मातरम् अग्रजम् प्रति अपि मम (ix) ..... कथनीय :।

भवतः पुत्रः
(x) .....

23. अधः प्रदत्तचित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया संस्कृतेन अष्ट वाक्यानि निर्माय लिखत– 4

(वर्षा, मम, मेघः, छत्रम्, गर्ज्, नीडे, विद्यालयः, पक्षिशावकः, वृक्षाः, जलमयम्)




अथवा

मञ्जूषातः उपयुक्तपदानि गृहीत्वा मातापुत्रयोः मध्ये वार्तालापं पूरयतु ।
(वस्तूनि, आपणं, सायंकाले, विद्यालयस्य, गत्वा, मातुलः, भोजनं, त्वं)
माता – राघव ! .....किं करोषि ?
राघवः – अहं मम .....गृहकार्यं करोमि ।
माता – पुत्र ! गृहकार्यानन्तरम् ..... गत्वा ततः दुग्धं शाकफलानि च आनय।
राघवः – अहं ..... पुस्तकं क्रेतुम् आपणं गमिष्यामि तदा दुग्धं शाकफलानि च आनेष्यामि।
माता – सांयकाले न त्वं तु पूर्वमेव .....आनय ।
राघवः – शीघ्रं किमर्थम् ?

माता – अद्य तव ..... आगमिष्यति, अतः .....समयात् पूर्वमेव पक्ष्यामि।
राघवः –मातुलः आगमिष्यति चेत् अहम् इदानीम् एव गत्वा .....क्रीत्वा आगच्छामि।

24. अधोलिखितेषु वाक्येषु केषाञ्चनं चतुर्णां वाक्यानां संस्कृत भाषया अनुवादं करोतु 4

(i) राधा भोजन पकाती है।

(ii) गाँव के चारों ओर खेत है।

(iii) जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान् है।

(iv) हिमालय से गंगा निकलती है।

(v) हम दोनों जल पीते है।

(vi) जल के बिना जीवन सम्भव नहीं है।

25. क्रमरहितानां षड्वाक्यानां क्रमपूर्वकं संयोजनं कुरुत— 3

(i) मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत्।

(ii) एकदा सः जाले बद्धः।

(iii) सिंहः जालात्–मुक्तः भूत्वा मूषकं प्रशंसन् गतवान्।

(iv) एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति स्म।

(v) सः सम्पूर्णं प्रयासम् अकरोत् परं बन्धनात् न मुक्तः।

(vi) तदा तस्य स्वरं श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत्।

अथवा

मन्जूषायां प्रदत्तेषु पञ्चशब्देषु केचन् त्रयाणां शब्दानां सहायतया वाक्यानि रचयत ।

सदा, एषा, प्रभवति, सह, धेनुः